आज का पुरुषार्थ by Suraj Bhai

Date: 4 February, 2022 **Website**: www.shivbabas.org

धारणा - *आज अपने अंदर देवताई संस्कार जगाने का पुरुषार्थ करेंगे*

इस पुरुषोत्तम संगमयुग पर हम सभी महान आत्माओं को एक सुन्दर भाग्य मिला है कि भगवान ने स्वयं आकर कहाँ ....

" बच्चे, मैं तुम्हारा हूँ "

हम भी बहुत प्यार से कहते है .....

" मेरा बाबा "

यह कहने के साथ हमें उनसे अपनापन भी फ़ील होना चाहिए। इसको गहराई से चिन्तन में लाये। जिन्हें लोग भगवान कहते है ....

" वह मेरा है .. वही मेरा परम शिक्षक है "

जिन्हें लोग सर्वशक्तिमान कहते है ...

" वो मेरा साथी है .. वो मेरा सद्गुरू है "

यह मेरे पन का फीलिंग बहुत बढ़ानी है। अगर हम सारा दिन याद रखे कि

....

" वो मेरा है "

तो यह भी योगयुक्त स्थिति हो गई।

और बाबा ने कह दिया है ...

" जो प्यार से कहते है मेरा बाबा .. बाबा हजार बार बंधा हुआ है उनको मदद करने के लिए "

उनको सहयोग मिल जाता है। क्योंकि जो मेरा है उससे सहयोग अवश्य मिलता है। तो हम सभी इस गुड फीलिंग को बढ़ाते चले कि ...

" बाबा मेरा है .. मेरा गुड फ्रेन्ड है .. मेरा सहयोगी है .. मेरा साथी है .. सदा मेरे साथ है .. सदा मुझे मदद करता है .. सदा मेरी हर बात सुनता है .. वो मेरा है "

तो बाबा भी उधर से आवाज़ देगा .....

" बच्चे, मैं तुम्हारा हूँ .. मेरा सबकुछ तुम्हारा है .. मैं तुम्हारे लिए ही हूँ हर समय .. मुझसे फायदा उठाओ "

" भगवान हमारा है .. हमारे लिए है .. रोज सवेरे हमें उठाता है .. हमें पढ़ाता है .. हमारी पालना करते है .. हमें ब्रह्माभोजन खिलाते है .. जब भी हम बुलाते है .. आ जाता है .. वह हमारे लिए है "

यह बहुत ही गुड फीलिंग हमें अपने जीवन में लगातार बढ़ाते चलना है। तो दिल से कहेंगे ...

" बाबा मेरा है .. वही मेरा सबकुछ है .. वही मेरा संसार है .. तो उसका संस्कार ही मेरा संस्कार है "

तो मेरा संस्कार मुझे तंग करता है यह भावना समाप्त कर देना है। यदि इम्पुयोर संस्कार, मेरे ज़िद्द के संस्कार, अहंकार के संस्कार या क्रोध के संस्कार, या मुड आफ करने के संस्कार, या बहुत फीलिंग की संस्कार ....

यह संस्कार मेरे? भगवान के बच्चे के? कदापि नहीं हो सकता? शोभा ही नहीं देगा ....

कोई सुने भगवान के बच्चे और फीलिंग में तो उसे कैसा लगेगा? कोई सुने भगवान के बच्चे और मुड आफ तो कैसी फीलिंग होगी ! कौन मानेगा कि यह भगवान के संतान है?

तो हम अपने संस्कारों को चेंज करे। जबकि हम स्वराज्यधिकारी है .. जबकि हम मास्टर सर्वशक्तिमान है। तो हमें पावर है अपने संस्कारों को चेंज करने की। यह दोनों स्वमान हम बहुत बढ़ाये।

आज इसकी प्रैक्टिस करेंगे .....

" मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ .. स्वराज्यधिकारी हूँ .. संस्कारों की मालिक हूँ .. मेरे संस्कार डिवाइन "

अपने जो भी किसी संस्कार है, अपने तीन संस्कारों को सामने लाओ, जो बूरे है, जो इम्पुरीटी के है, क्रोध के है, फीलिंग के है, मुड आफ करने के है, ज़िद के है, सिद्ध करने के है, दुसरों को तंग करने के है, अहंकार के है।

तीन लाओ और संकल्प दो ...

" यह मेरे नहीं है "

अब मेरे संस्कार कौन से है? जो बाबा के है ....

" मैं सुखदाई हूँ .. मैं सबके लिए कल्याणकारी हूँ .. मैं सबको आगे बढ़ाने वाली हूँ .. मैं सबको प्रेम बांटने वाली हूँ .. मैं दाता के बच्चे मास्टर दाता हूँ .. मैं सदा खुश रहने वाली हूँ .. मैं बहुत महान हूँ "

तो यह संस्कार बदलते जायेंगे .. सुन्दर संस्कार आते जायेंगे।

तो आज सारा दिन यह दो स्वमानों की प्रैक्टिस करेंगे और अपने दोनों स्वरूप को सामने रखेंगे। देव स्वरुप और फरिश्ता स्वरुप।

यह दोनों स्वरुप मेरे है .. इनके संस्कार मेरे संस्कार है

ऐसे गुड फीलिंग अपने को देंगे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org